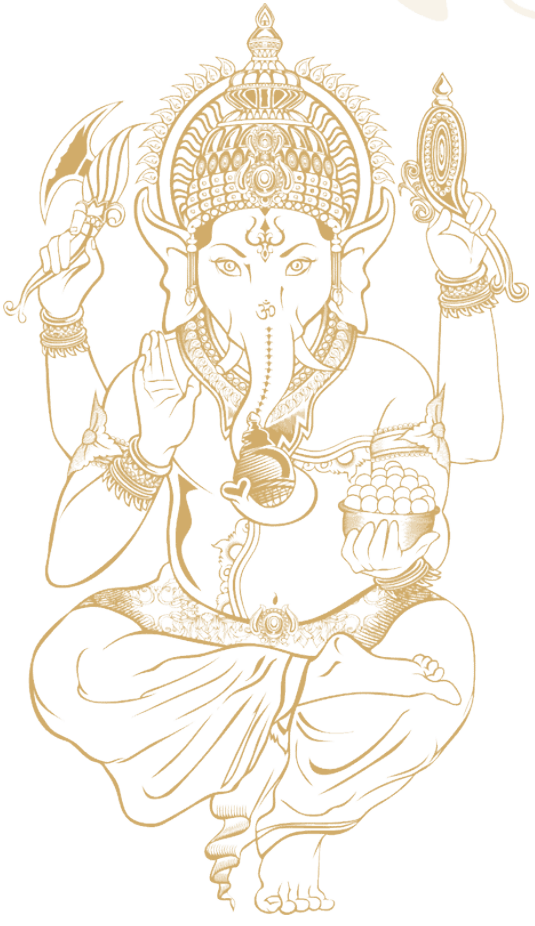

Rudrakshi

27 Jul 2019

01:11 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121493802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/07/2019**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**13:11:00 घंटे**
इष्ट	18:48:51 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:49:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:33 घंटे
साम्पातिक काल	09:08:41 घंटे
सूर्योदय	05:39:27 घंटे
सूर्यास्त	19:15:22 घंटे
दिनमान	13:35:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	09:53:14 कर्क
लग्न के अंश	16:57:36 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वृद्धि
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	उ-उदय
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	16:57:36	308:46:33	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	09:53:14	00:57:20	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			वृष	06:31:53	13:07:40	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	कर्क	21:58:19	00:38:04	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	सूर्य	नीच राशि
बुध	व	अ	कर्क	00:55:53	00:26:05	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
गुरु	व		वृश्चि	20:44:16	00:02:48	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र		अ	कर्क	04:56:23	01:13:52	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		धनु	21:49:31	00:04:05	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
राहु			मिथु	23:25:04	00:01:33	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	उच्च राशि
केतु			धनु	23:25:04	00:01:33	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	उच्च राशि
हर्ष			मेष	12:23:13	00:00:47	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	---
नेप	व		कुंभ	24:16:11	00:01:03	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो	व		धनु	27:27:39	00:01:25	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
दशम भाव			कर्क	20:34:38	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:34

लग्न-चलित

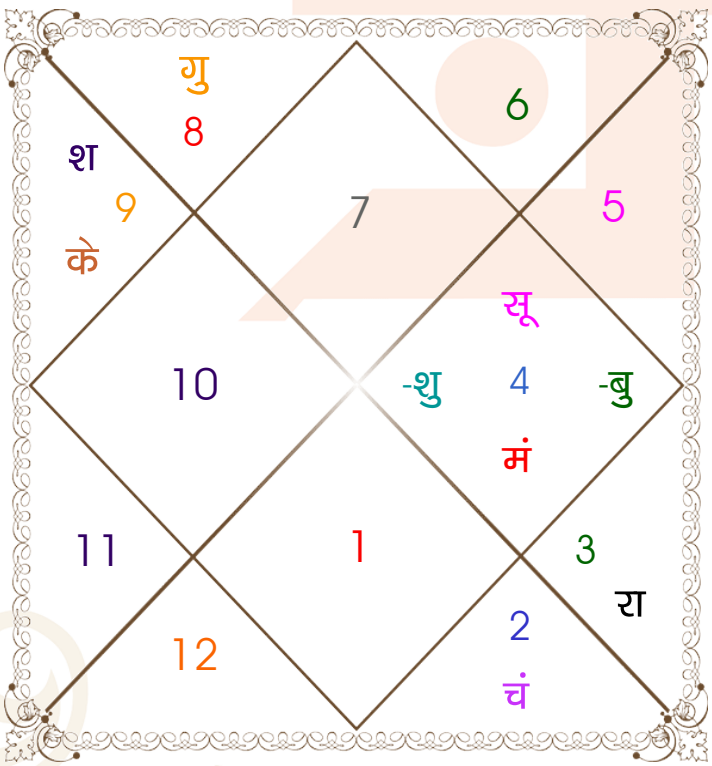

चन्द्र कुंडली

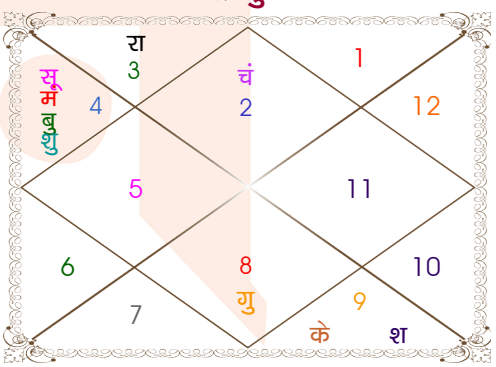

नवमांश कुंडली

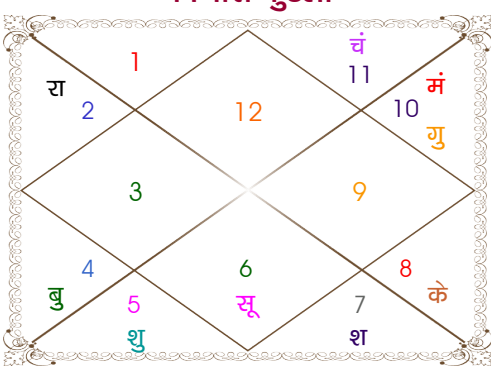

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 6 मास 22 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
27/07/2019		16/02/2021		17/02/2031		16/02/2038		17/02/2056	
16/02/2021		17/02/2031		16/02/2038		17/02/2056		17/02/2072	
	00/00/0000	चंद्र	18/12/2021	मंगल	16/07/2031	राहु	30/10/2040	गुरु	06/04/2058
	00/00/0000	मंगल	19/07/2022	राहु	02/08/2032	गुरु	25/03/2043	शनि	17/10/2060
	00/00/0000	राहु	17/01/2024	गुरु	09/07/2033	शनि	29/01/2046	बुध	23/01/2063
	00/00/0000	गुरु	18/05/2025	शनि	18/08/2034	बुध	18/08/2048	केतु	30/12/2063
	00/00/0000	शनि	18/12/2026	बुध	15/08/2035	केतु	05/09/2049	शुक्र	30/08/2066
	27/07/2019	बुध	18/05/2028	केतु	11/01/2036	शुक्र	05/09/2052	सूर्य	18/06/2067
बुध	12/10/2019	केतु	17/12/2028	शुक्र	13/03/2037	सूर्य	31/07/2053	चंद्र	17/10/2068
केतु	17/02/2020	शुक्र	18/08/2030	सूर्य	18/07/2037	चंद्र	29/01/2055	मंगल	23/09/2069
शुक्र	16/02/2021	सूर्य	17/02/2031	चंद्र	16/02/2038	मंगल	17/02/2056	राहु	17/02/2072

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
17/02/2072		17/02/2091		18/02/2108		18/02/2115		18/02/2135	
17/02/2091		18/02/2108		18/02/2115		18/02/2135		00/00/0000	
शनि	20/02/2075	बुध	15/07/2093	केतु	16/07/2108	शुक्र	19/06/2118	सूर्य	07/06/2135
बुध	30/10/2077	केतु	13/07/2094	शुक्र	15/09/2109	सूर्य	19/06/2119	चंद्र	07/12/2135
केतु	09/12/2078	शुक्र	12/05/2097	सूर्य	21/01/2110	चंद्र	17/02/2121	मंगल	13/04/2136
शुक्र	07/02/2082	सूर्य	19/03/2098	चंद्र	22/08/2110	मंगल	19/04/2122	राहु	07/03/2137
सूर्य	20/01/2083	चंद्र	18/08/2099	मंगल	18/01/2111	राहु	19/04/2125	गुरु	25/12/2137
चंद्र	21/08/2084	मंगल	16/08/2100	राहु	06/02/2112	गुरु	19/12/2127	शनि	07/12/2138
मंगल	29/09/2085	राहु	05/03/2103	गुरु	12/01/2113	शनि	18/02/2131	बुध	28/07/2139
राहु	05/08/2088	गुरु	10/06/2105	शनि	20/02/2114	बुध	19/12/2133		00/00/0000
गुरु	17/02/2091	शनि	18/02/2108	बुध	18/02/2115	केतु	18/02/2135		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 6 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।